अमर उजाला

बरेली
सोमवार, 7 नवंबर 2022
कार्तिक शुक्ल-चतुर्दशी
विक्रम संवत-2079

PAGE NO, 08,MIDDLE

बुजुर्ग भी चाहते हैं कोई कहे उन्हें 'हाय हैंडसम'

बरेली। श्री राममूर्ति स्मारक रिद्धिमा में दूसरे थिएटर फेस्टिवल इंद्रधनुष रंग महोत्सव के अंतिम दिन रविवार को कोलकाता के यूनिवर्सल लिटिल थिएटर की ओर से नाटक ''हाय हैंडसम'' का मंचन किया गया। परिस्थितियों पर हास्य बिखेरता यह नाटक परिवार और बुजुर्गों की समस्या उठाते हुए समाप्त होता है।

नाटक मिलिट्री अफसर कर्नल कपूर की फैमिली की कहानी है, जो विधुर हैं। उनका एक बेटा है, जिसने माडलिंग करने वाली एक लड़की मंदा से प्रेम विवाह किया है। मंदा अपने कैरियर पर ध्यान देना चाहती है, लेकिन कर्नल कपूर चाहते है कि वो परिवार संभाले। मंदा की मां सीता देवी भी विधवा है। वो भी मंदा की आदतों से परेशान रहती हैं। कपूर साहब और सीता देवी दोनों की हालत एक जैसी है। सीता और कपूर में एक दूसरे की तकलीफ देखकर सहानुभूति जन्म लेती है। दोनों शादी

नाटक का मंचन करते कलाकार।

कर लेते हैं। इसे बच्चे स्वीकार नहीं करते। सिर्फ नौकर कमाल इसे सही कदम बताता है। कई उतार चढ़ाव के बाद हैप्पी एंडिंग होती है।

अंतिम दिन मुख्य अतिथि बिथरी विधायक डॉ. राघवेंद्र शर्मा, शायर वसीम बरेलवी, अपर आयुक्त अरुण कुमार रिद्धिमा पहुंचे। यहां ट्रस्ट के चेयरमैन देव मूर्ति, आदित्य मूर्ति, ऋचा मूर्ति, गुरु मेहरोत्रा, सुरेश सुंदरानी आदि मौजूद रहे। संवाद